सत्यमेव जयते

د پښتو الفباني زدکړه کتاب
پشتو کی پہلی کتاب
पश्तो भाषा प्रवेशिका
PASHTO PRIMER

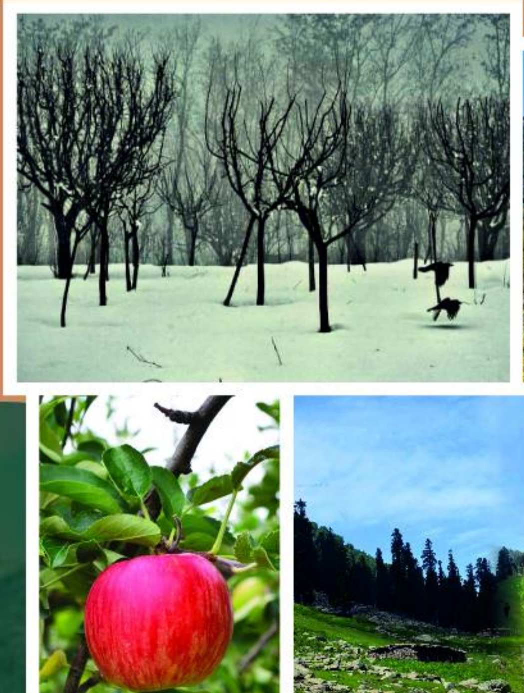
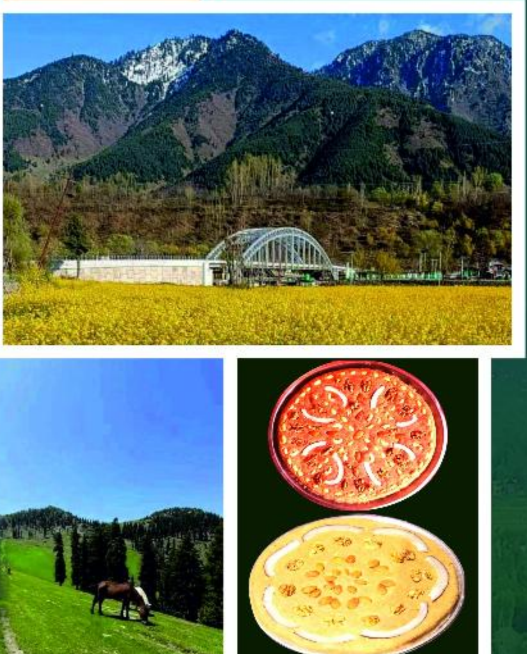

CIIL-NCERT Primer Series

ई–पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई–सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य–सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई–पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई–सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई–पाठशाला के माध्यम से ई–सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई–पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई–सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई–पाठशाला द्वारा ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई–सामग्री प्राप्त करें।

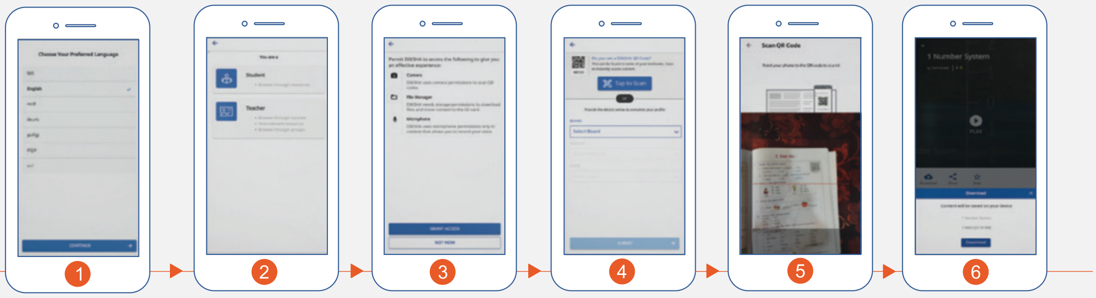

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

د پښتو الفبانې زدکړه کتاب

پشتو کی پہلی کتاب

पश्तो भाषा प्रवेशिका

PASHTO PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)

Manasagangotri, Mysuru - 570 006

Ph: 0821 2515820 (Director)

email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg

New Delhi - 110016

Ph: 011 2696 2580

email: dceta.ncert@nic.in

د پښتو الفبانې زدکړه کتاب

پشتو کی پہلی کتاب

पश्तो भाषा प्रवेशिका

PASHTO PRIMER

A basal reader of Pashto alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Hilal Ahmad Dar
Zahid Bashir Lone

ISBN: 978-81-973948-1-2

First Edition: July, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Yuvaraj G
Cover Photo: Naseem A Khan

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

धर्मेन्द्र

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित होंगे।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर्स) का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों; जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

जुलाई 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

بھارت صدیوں سے ایک کثیر لسانی ملک رہا ہے ، جس میں ملک کے مختلف علاقوں میں بہت سی زبانیں بولی جاتی ہیں۔ ہمارے لسانی مجموعے میں متعدد زبانوں کا استعمال ملک کی ایک عام خصوصیت ہے۔ یہ ہمیں ایک دوسرے سے جوڑتا ہے اور ہمیں متحد رکھتا ہے۔ قومی تعلیمی پالیسی (این ای پی) 2020 اس خیال پر زور دیتی ہے کہ بھارت کی کثیر لسانی نوعیت ایک بہت بڑا اثاثہ ہے جسے ملک کی سماجی، ثقافتی، اقتصادی اور تعلیمی ترقی کے لئے موثر طریقے سے استعمال کرنے کی ضرورت ہے۔ اس میں ہر سطح پر تعلیم میں کثیر لسانیت کو فروغ دینے کی سفارش کی گئی ہے تاکہ سیکھنے والوں کو اپنی زبان میں تعلیم حاصل کرنے کا موقع ملے۔اس طرح تمام بھارتی زبانوں میں تدریسی مواد کی تخلیق اس کثیر لسانی اثاثے کو فروغ دے گی اور اسے 'وکست بھارت' میں بہتر حصہ ڈالنے کا موقع دے گی۔ یہ کہتا ہے کہ این ای پی 2020 کے مطابق ابتدائی گریڈ کے پرائمرز کو تیار کرنے کے لئے ایک جامع اور مکمل نقطہ نظر کی ضرورت ہے جو ہندوستان کے ہر خطے کی منفرد لسانی اور ثقافتی خصوصیات کو حل کرسکے۔ ان پرائمرز کا مقصد نہ صرف پڑھنے اور لکھنے میں زبان کی مہارت فراہم کرنا ہے بلکہ ابتدائی مرحلے کے سیکھنے والوں میں تخلیقی صلاحیتوں اور تنقیدی سوچ کو بھی فروغ دینا ہےیہ کسی زبان کے حروف تہجی اور علامتوں کے حروف کو بیان کرنے ، پہچاننے ، سمجھنے کی کلید ہے۔ یہ بچوں کو ان حروف کے ایک یا ایک سے زیادہ سیٹوں کے معنی سے بھی واقف کراتا ہے جو ان کے امتزاج کے ذریعے بنائے جاتے ہیں جیسے لفظ کی ابتدائی ، درمیانی اور آخری پوزیشنوں میں حروف۔ اس کے علاوہ، یہ ایسی مثالیں فراہم کرتا ہے جو بعد میں متعارف کرائے گئے خطوط کو لکھنے کی مشق کو آسان بناتی ہیں۔ اور نظمیں طالب علموں کو ان کی زبان کی نشوونما اور علمی صلاحیتوں میں مدد کریں گی۔

प्रो. शैलेन्द्र मोहन

निदेशक

भारतीय भाषा संसथान

जुलाई 2024

मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Pashto Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS),New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Aejaz Mohammed Sheikh, Professor & Head, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Member Coordinator

Sujoy Sarkar, Lecturer-cum-Junior Research Officer,CIIL, Mysuru

Resource Persons

Mohd. Saleem Pathan, Teacher, BMS Wayil, Wooder Zone, Ganderbal
Afsar Khan, Teacher MS Chountwar, Ganderbal
Naseem Ahmad Khan, Chanahar, Gutlibagh, Ganderbal
Sheeba Hassan, Assistant Professor, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar
Zahid Bashir Lone, Contractual Lecturer, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar
Hilal Ahmad Dar, Junior Resource Person (JRP), Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Ifrah Mushtaq, Research Scholar, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar
Mehreen Amin, Research Scholar, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar
Sobia Bano, Resource Person, Department of Linguistics, University of Kashmir, Srinagar

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission (NTM), CIIL, Mysuru
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

پرائمر کو کیسے پڑھائیں

قومی تعلیمی پالیسی ۲۰۲۰ اور قومی نصاب فریم ورک، ۲۰۲۲ میں تین سے آٹھ سال کی عمر کے بچوں کو ان کی مادری زبان، گھریلو زبان، مقامی زبان اور علاقائی زبان میں تعلیم فراہم کرنے کی اہمیت پر توجہ مرکوز کی گئی ہے۔ یہ پرائمر خاص طور پر بچوں کی زبانی زبان کی نشوونما کے لئے ڈیزائن اور تیار کیا گیا ہے اور اس بات کو یقینی بنانے کے لئے کہ بچہ بغیر کسی ہچکچاہٹ کے سمجھے ، سیکھے اور بات چیت کرسکے۔ بچوں کی زبانی زبان کی مہارت کو بڑھانے کے لئے، ہر انفرادی حروف کے اسباق میں دو سے تین جملوں پر مشتمل مختصر گانے یا نظمیں شامل کی گئی ہیں۔ اساتذہ ان گانوں یا نظموں کو اونچی آواز میں گا کر اور پڑھ کر بچوں کو بحث میں مشغول کرسکتے ہیں۔ تین زبانوں کے فارمولے کو ذہن میں رکھتے ہوئے ، اور ہندوستان لسانی طور پر متنوع ملک ہونے کی وجہ سے ، یہ پرائمر بچوں کو نہ صرف اپنی مادری زبان میں الفاظ سیکھنے میں مدد کرتا ہے بلکہ دوسری زبان سے بھی واقف ہوتا ہے۔

آواز کا تعارف: بچے تصویر دیکھنے کے بعد چیز کا نام بتائیں گے۔ استاد پوچھے گا، تصویر کا نام کس آواز سے شروع ہوتا ہے؟ ۔ مثال کے طور پر پشتو میں 'الک' کا لفظ کیا ہے؟ 'الک' کی تصویر دیکھنے کے بعد ، بچے پہچانیں گے کہ یہ آواز 'ا' سے شروع ہوتا ہے۔

حروف تہجی کا تعارف: استاد سب سے پہلے بچوں کو بتائے گا کہ حروف تہجی 'ا' کیسا نظر آتا ہے۔ ایک بچے سے کہا جائے گا کہ وہ کچھ دیئے گئے الفاظ سے حرف 'ا' کی شناخت کرے۔ تین چار الفاظ میں سے بچے حرف 'ا' کی آواز کا تلفظ کریں گے اور حرف 'ا' لکھنے کی مشق کریں گے۔

پڑھنا: بچے تصاویر دیکھیں گے اور اپنی زبان میں الفاظ کہیں گے۔ حروف 'ا' کے تعارف میں بچے اپنی انگلیوں کو دائیں سے بائیں طرف منتقل کرکے 'الک' پڑھیں گے۔ دوسرے الفاظ کو پڑھنے سے ، خاص طور پر وہ الفاظ جہاں 'ا' ہوتا ہے ، بچے 'ا' کو پہچانیں گے اور اس کا تلفظ کریں گے۔ استاد لفظ کے آغاز، وسط اور آخر میں ایک خط کے وقوع کے بارے میں بتائے گا۔ بلیک بورڈ پر 'ا' پڑھنے کے دوران استاد لفظ 'الک' کے ساتھ تین چار دیگر الفاظ بھی لکھے گا اور وہ بچوں کو ایک ایک کرکے پکارے گا۔بچوں کو حروف تہجی، الفاظ اور آوازوں کو متعارف کرانے کے لئے، پرائمر ان الفاظ کو استعمال کرنے کی کوشش کرتا ہے، جو بچوں سے واقف ہیں. بچے کتاب میں موجود تصاویر کو دیکھ کر ان الفاظ کو پہچان سکے گے. بچے اس پرائمر کو اپنی زبان میں پڑھنے میں آسانی محسوس کریں گے۔ استاد ایک لفظ لکھے گا اور بچوں سے کہے گا کہ وہ اس کے ہر حرف کو الگ الگ پڑھیں، اور حروف کو جوڑ کر بھی اس لفظ کو پڑھیں۔ جب کوئی بچہ کوئی لفظ پڑھتا ہے تو دوسرے بچے اس کے ساتھ شامل ہوتے ہیں اور اس لفظ کو دہراتے ہیں، اسے اجتماعی مطالعہ کہا جاتا ہے۔

تحریر: اساتذہ سب سے پہلے بچوں کو لفظ'الک' کا 'ا' لکھنا سکھائیں گے۔ استاد دکھائے گا کہ لکھنے کے لئے قلم کو دائیں سے بائیں طرف کیسے منتقل کیا جائے۔ اسے معاون تحریر کہا جاتا ہے۔ اس کے بعد بچے کتاب میں دی گئی خالی جگہ میں دوسرے حروف کو دیکھ کر خود 'ا' لکھیں گے۔ اساتذہ بچوں کی مدد کریں گے جب وہ پڑھ رہے ہیں اور لکھ رہے ہیں۔

بچوں کی زبانی زبان کی نشوونما کے لیے ہر صفحے پردو تین جملوں کی چھوٹی چھوٹی نظمیں لکھی گئی ہیں۔ استاد اسے گا کر اور پڑھ کر بچوں کو دہرانے کے لیۓ بولیں گے۔ اسکول کی لائبریری میں دستیاب بچوں کی کہانی کی کتاب پڑھنے کے بعد ٹیچر بچوں کی زبان میں کہانی پر تبادلہ خیال کریں گے۔ یاد رکھیں کہ بچوں کو ان کی مادری زبان میں کہانیاں اور نظمیں سنانی چاہئیں۔

مندرجہ ذیل لائنوں کو دیکھیں اور دی گئی جگہوں میں کھینچنے کی کوشش کریں :

کھڑی لکیر :

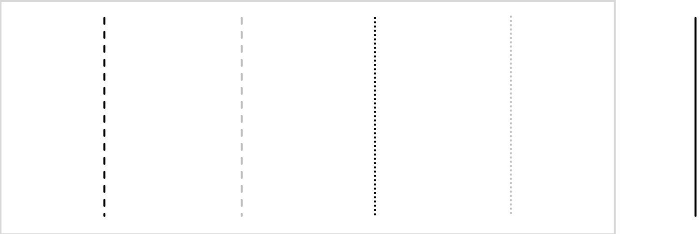

افقی لکیر :

ٹیڑھی لکیر ۱ :

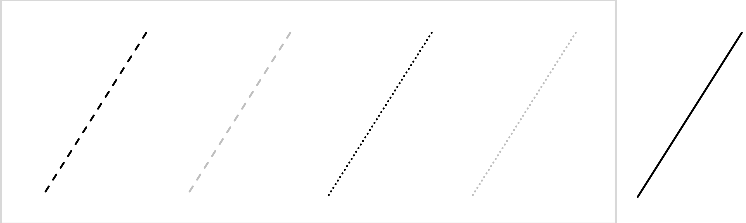

ٹیڑھی لکیر ۲ :

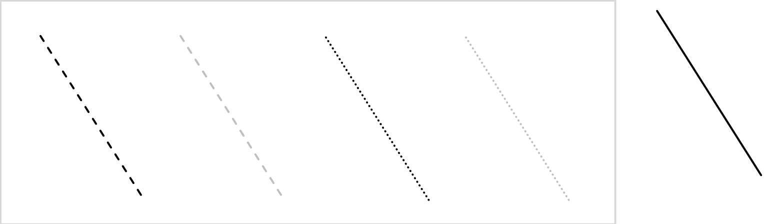

منحنی لکیر ۱ :

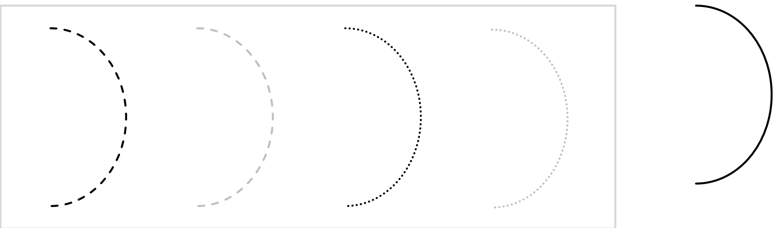

منحنی لکیر ۲ :

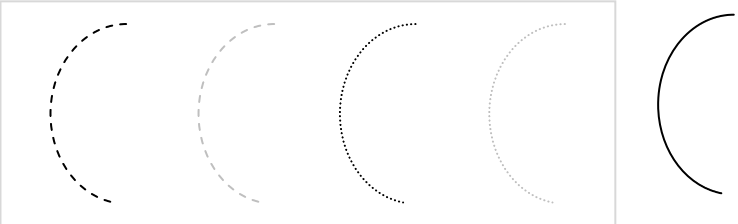

نوٹ: استاد یہ سکھائے گا کہ قلم کو کیسے پکڑا جائے اور فراہم کردہ جگہوں میں لکیریں کھینچی جائیں۔

حروفِ تہجی				
ا	ب	پ	ت	ث
ج	ځ	چ	څ	ح
خ	د	ډ	ذ	ر
ړ	ز	ژ	ږ	س
ش	ښ	ص	ض	ط
ظ	ع	غ	ف	ق
ک	ګ	ل	م	ن
ڼ	و	ه	ی	

حرکات				
◌َ	آ	◌ِ	◌ُ	◌ٔ
ي	ۍ	ې	ئ	

ا

الک

لڑکا

ا سره الک او اشاړی رازی
اشاړی چی ګل شی سپرلی رازی
سپرلی په کال کي متعبره
رازي واوره دلبره

اشاړی

خوبانی

باتنګڼ

ٹماٹر

کیلا

کیلا

ا ا ا

ب

بټنګ

ناشپاتی

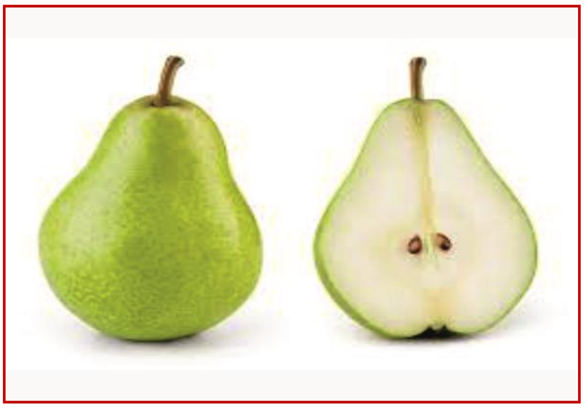

ب سره بټنګ خوږل مزه کوی
بالخت په بستره باندی خوند کوی
ب په ګلاب کي کوی پند
ژبه هم په ب کوی ژوند

بالخت	لوبې	ګلاب
تکیا	کهلونا	گلاب

ب ب ب

پ

پشو

بلی

میو میو کوی پشو ګرزی په نخرو
پوزه رپاوی اخپو باندی درذی
کور په کور دا ګرزی
خکلی مي آشنا ګرزی

پوځه	خپه	ټوپ
ناک	پاؤں	چهلانگ

پ	پ	پ	

ت

تنمبه

کھڑکی

ت سره تنمبه اشنا
توت هم ت سره اشنا
سترګی کی ت خوند کوی
یار په ذړه جوند کوی

توت	ستن	کولت
شهتوت	سوئی	راجما دال

ت ت ت

ټ

ټیپر

شلجم

ټیپر په خاورو لاندی دی
پانړي يي ورباندی دي
اوخره ته ټیپر یاره
اوخره په مزه مزه

ټوخلی	پټکی	ګټ
ٹوپی	پگڑی	پتھر

ټ ټ ټ

ث

ثوری

سایه

ثوری دي په زمکه
یاره ډیر مزه که
ثوری سره مل شه
توبنلی په شان په سر شه

ثکور	کثکر	ثمر
کوئله	دهان	پهل

ث ث ث

ج

جرنده

چکی

جرنده ژنګه ژاله ده
جوړه په کماله ده
داني ورته ورزي
اوړه تري جوړوي

جولا

مکڑی

غوجل

مویشی خانہ

نارنج

سنگترہ

ج ج ج

ځ

ځنګون

گھٹنہ

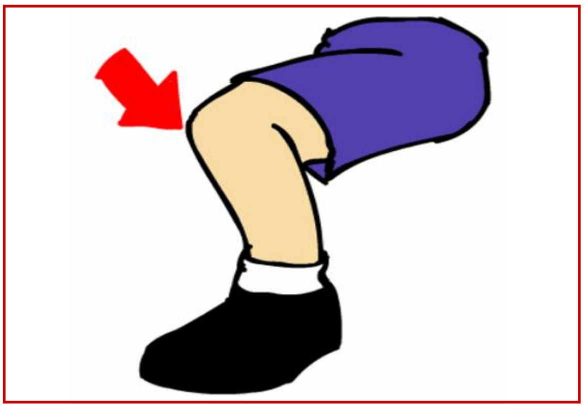

ځنګون هم ځنګونه دی
غرونو کی خوندونه دی
ورياځ په اسمانه ده
نيغه را روانه ده

ځن	واځدا	ورياځ
ٹھوڑی	چربی	بادل

ځ ځ ځ

چ

چرګ

مرغا

صبا واي بانګونه
روک کي ټول غمونه
په سر يې قرقره ده
چرګ يې نامه ده

چینا

چشمه

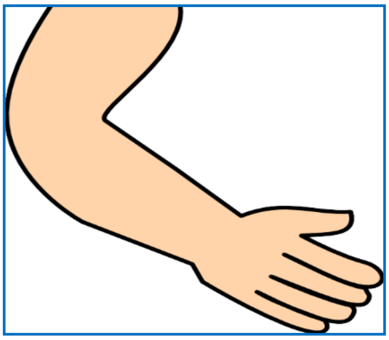

لیچه

بازو

مالوچ

روئی

چ چ چ

ځ

ځوباړی

بلا

واخله ته ځوباړی
رازه زمه په غاړی
په لوبه دې بلمه
نن غنده جوړه وومه

ځوکیی	ځاځکی	کوځه
کرسی	قطره	گلی

ځ ځ ځ

ح

حارونۍ

مینا

حاروني راغله په زور
جوړ کړی يي ډير شور
تاته اشاره کوي
په مار باندی ټنګه کوي

حر	حلوا	حاشیه
هار	حلوه	کونه

ح ح ح

خ

خله

منه

روره واوره یو خبره
خله صفا ساته دلبره
چې الله شی مهذبانه
هرکار به شې اسانه

خیټه	لوخی	میخ
پیټ	برتن	کیل

خ خ خ

د

دنګوړه

کهیرا

خوړل يي ډير مزه کوي
ماشوم ي تماشه کوي
پاڼو کی پټ شوي ده
دنګوړه مي ترخه شوي وه

دربیش

مٹھای

کنده

گڑھا

ګلوبند

مفلر

د د د

ډولګی

ڈھول

ډ

په ودونو کي غنګیګمه
په مجلسو کي ډبيګمه
نوم زما ډولګی دی
په خواه مې هر زلمی دی

ډنډ	ډوډۍ	سنډه
تالاب	روٹی	بهینسا

ډ ډ ډ

ذ	ذانګو ڈھولی
	په ودونو کی عظیمه یم په رنګونو کی رنګیمه یم ذانګو می نامه ده جنجیانو په بانړه ده

ذړګولی	انذر	ذنبپرا
ککروندا	انجیر	ذخیرا

ذ ذ ذ

ر

راشپیل

برف کا بلچا

په بام باندی ده واوره
راشپیل ته ماله راوړه
نن واوره به صفا کو
بیا لوبی به صبا کو

روځې	ارنده	انار
بهویں	دتورا	انار

ر ر ر

ړ

ړوند

اندھا

رڼړا ښکلي نعمت دی
دنیا باندي جنت دی
ړانده په دي پوھیګې
په تیارو کی اوسیګې

کړم	لړم	خوړ
ساگ	بچھو	دریا

ړ ړ ړ

ز

زنزه

کنکھجورا

زنزه ده روانه
اښکاري عليشانه
خال خط تول ده مار
طاقت ده چمچار

زر	بيزه	وریاز
زیور	بکری	بادل

ز ز ز

ژ

ژبه

زبان

اډوکو کوټګۍ
پکي ناسته ښاپيرۍ
تاته مي ده سوال دی
جواب راله پکار دی

ژاله	بوژۍ	روژۍ
گھونسلا	بوری	چاول

ژ ژ ژ

ږ

ږلئ

ژاله

سپینه یم جلئ یمه
واورئ زه ږلئ یمه
دا اسمانه زه وریګمه
ډیر ساعت نه پاتیګمه

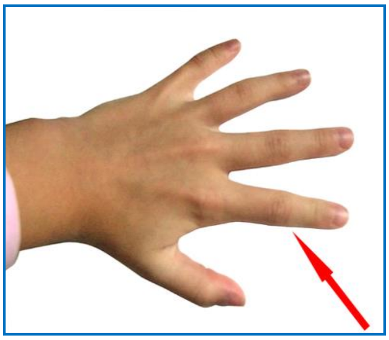

ږوته	منږز	ذږ
انګلی	کنګی	جهاګ

ږ ږ ږ

س

سترګه

آنکه

سترګه يو نعمت دی
درب نه عنايت دی

سړی	لاستی	ټپس
آدمی	دسته	عقاب

س س س

ش

شنډې

هونٹ

ښنده سره دنیا ده
دنیا توله ښندا ده
شنډو ښکلی عبادت
رب ولا نعمت

شادو	ماشه	پناپش
بندر	مچھر	جنگلی بلی

ش	ش	ش	

ښ

ښنده

مسکراہٹ

ماشوم شنډو کي ښندا ده
خوشالي یی بی پایا ده
په ځبه ده فرمان
مکتب یم روان

ښته	ښاوره	ښر
کیچڑ	مٹی	گدھا

ښ ښ ښ

ص

صندوقچه

صندوق

واوري ماشومانو
شادو په صندقچه راغی
پوري ورته ګورئ
ډېره په نښره راغی

صحیفه

کتاب

مصور

تصویر بنانے والا

کمیص

قمیض

ص ص ص

ض

ضيافت

پهلوں کی نعمت

ضيافت مي ډير ښوښيګی
ښوراک ته مي زړه کيګي

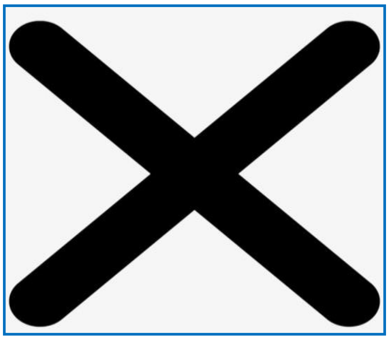

ضرب	هوض	مريض
ضرب	هوض	مريض

ض ض ض

ط

طوطی

طوطا

طوطي ناس دی په پنجره کي
الس ټول په تماشه کي
خبره يي مزه کوي
ډيره په نښره کوي

طاوس	شطئ	طبيب
مور	مکی کا چھلا	ڈاکٹر

ط	ط	ط	

ظ

ظربن

تحفه

محنت چه ته کوي
ظربن به هم ګټې

ظروف

برتن

پیظوان

نتھنی

ظربان

نیولا

ظ ظ ظ

ع

عکاس

فوٹوگرافر

عکس په بنيينه کي
ياره ډير مزه کوي
زان پکي سنمبال که
مکتب له زان تيار که

علفچر	عمارت	جماعت
میدان	عمارت	جھنڈ

ع ع ع

غ	غوا
	گائے

غوا مي ډيرا ښوبنه ده
کور کي ده يو نښه ده
ماسته شوده هم دا راکئ
کچ غوړی صفا راکئ

غوږ	مرغۍ	ناروغ
کان	چڑیا	بیمار

غ غ غ

فرش

فرش

ف

عرش فرش - فرش عرش
نمونه دی یو شان
عرش په اسمانونو کي
فرش په میدانونو کي

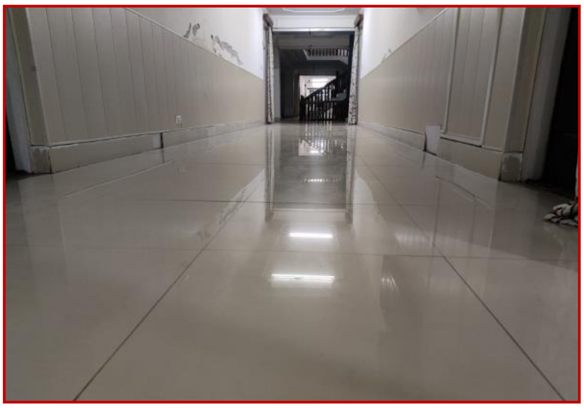

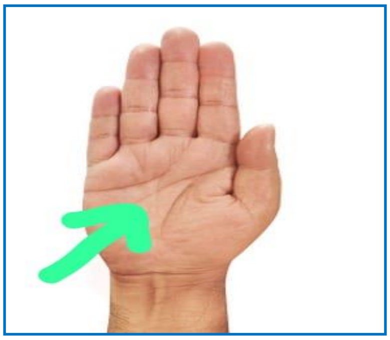

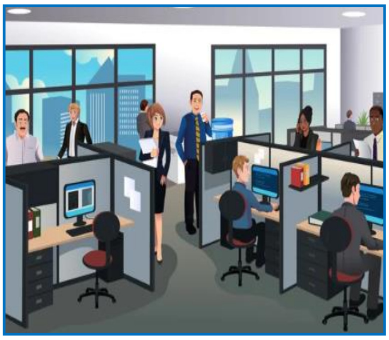

فلح	دفتر	کف
کسان	دفتر	ہتھیلی

ف ف ف

ق

قارغه

کوّا

قارغه ده رنګه تور دی
جوړکړی یي ډیر شور دی
ده ژالی نه تبنتیدلی
ناس زمونګ په کور دی

قرقره	قلبه	شاړپاق
کلغی	ہل	ٹِڈّا

ق ق ق

# ک	کونتره کبوتر
	په ژانګی ناسته ده کونتره اښکاري بازیګره په مرغانو کې ښوښه ښکاري لکه برښه

کربوړی	ککی	نوک
چیپکلی	بچه	ناخن

ک	ک	ک	

ګ

ګانډولی

کدّو

ډنډر مي ډېر ګلک
پټ مي لکه سکړک
خلق مي ډېر ښيال ګوئ
منه په کمال ګوئ

ګونګټ	شګه	ساګ
تلچٹا	ریت	سبزی

ګ ګ ګ

ل

لاس

ہاتھ

ښکلي دوه لاسونه
ډیر کوئ کارونه
لس ددي دي گوتي
او لس يې دي نکونه

لوګي	ملخ	ګل
دھواں	ٹڈی	پھول

ل ل ل

م

منګک

چوہا

منګنک سورو نه را روان
جوړ کړی يي طوفان دی
ښوړلې يي غوزان
اولس دې په خپکان

مار	زمکه	بام
سانپ	زمین	چھت

م	م	م	

ن	نُور
	دهوپ

نُور دی په اسمانه
رنړا په ټول جهانه
هر چا ترینه فیضونه دي
ډیر ډیر یې نعمتونه دي

ناویې	پُنده	باران
دُلہن	ایڑی	بارش

ن	ن	ن	

ڼ

بانړه

پلکیں

ڼ په دي بانړه کي دی
ڼ هم په منړه کي دی
بانړه په سترګه ښوند کوئ
ماشوم په منړه ژوند کوئ

منړه	پاڼه	لسڼ
سیب	پتہ	تِل

ڼ ڼ ڼ

و	وګی
	مکی

یو ښکلی دی نعمت
ټول کوي عزت
په وګي نوم یادیګي
په ښوند ښوړلیکیګي

ونه	بوټی	یو
درخت	پودا	ایک

و	و	و	

ہ

ہندوانه

تربوزه

غټه یم رنګداره یم
ډیره مزی داره یم
سره لکه اناره یم
هر چاله پکاره یم
نامه مي ہندوانه
خوره په زمانه

هټیی	نہا	کوټه
دکان	نو	کوٹھا

ہ ہ ہ

ی

یګ

بھالو

غره دی که میدان
آشنا دی را روان
ځناور دې که کسان
یګ نه په لړځان

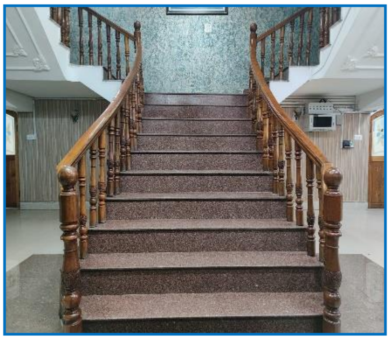

یښبند	رومیال	پوړۍ
برف	رومال	سیڑھی

ی ی ی

خپلواک	لفظ	مثال	مثال
	◌َ	اَنار	اَګۍ
	آ	آم	آله
		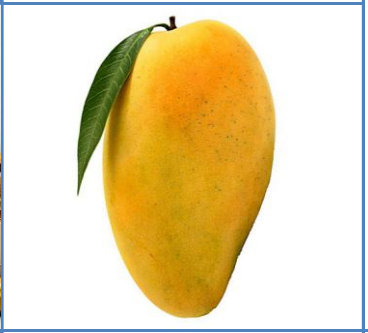	
	◌ِ	اِلۍ	اِره
		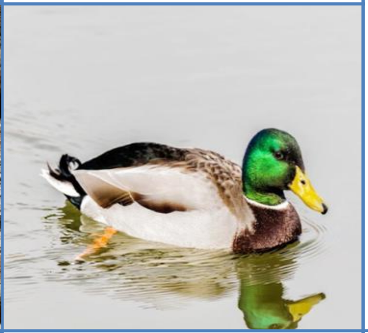	
	◌ُ	اُور	اُوخ

خپلواک	لفظ	مثال	مثال
	ٔ◌	غر	ګور
ي		مینګي	سړي
ى		جنى	سپوږمى
		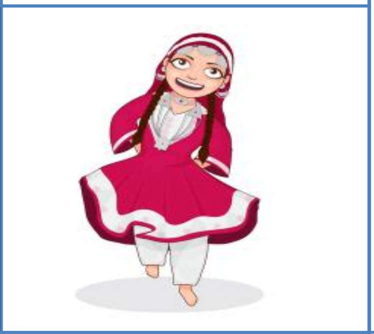	
ې		کونترې	ښزې

خپلواک		مثال	مثال
ئ		راشئ	اخرئ
		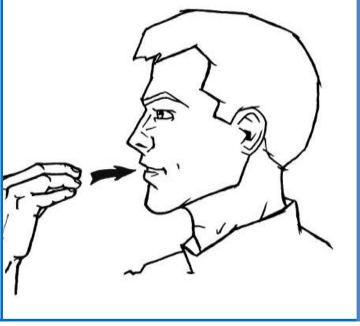	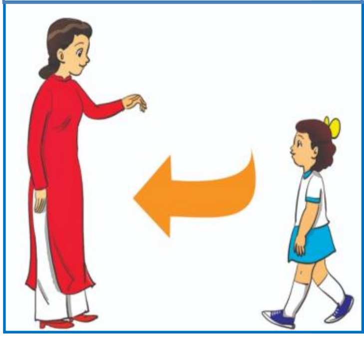

شمیرې

1		ایک	یو	۱
2		دو	دوه	۲
3		تین	درې	۳
4		چار	څلور	۴
5		پانچ	پنځه	۵
6		چھ	شپږ	۶
7		سات	وه	۷
8		آٹھ	اته	۸
9		نو	نهه	۹
10		دس	لس	۱۰
11	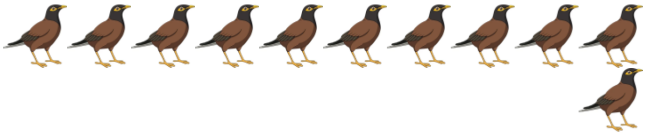	گیارہ	یو ولس	۱۱
12	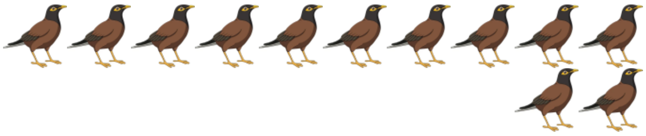	بارہ	دولس	۱۲
13	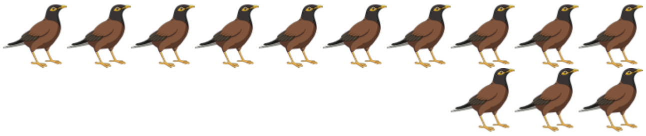	تیرہ	دیارلس	۱۳
14	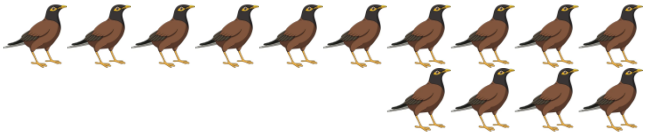	چودہ	څوارلس	۱۴

15	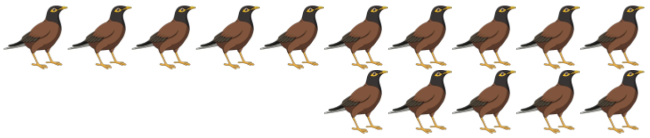	پندره	پنځه لس	١٥
16	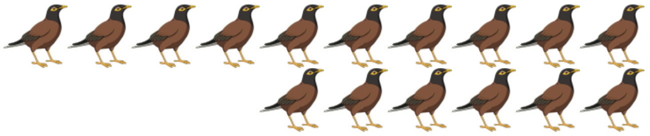	سولہ	شپاړلس	١۶
17	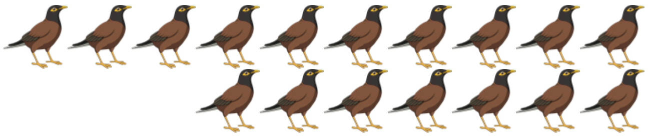	سترہ	ورلس	١٧
18	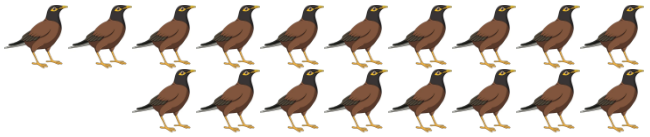	اٹھارہ	اتر لس	١٨
19	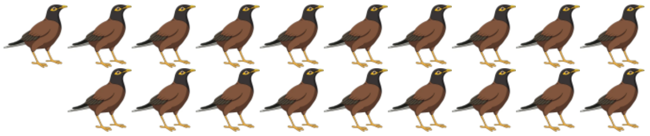	انیس	نرلس	١٩
20	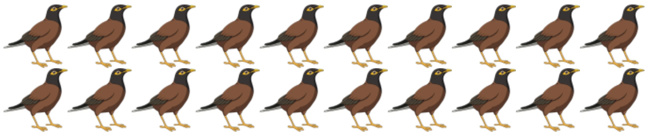	بیس	شل	٢٠

1	**1**	**1**	**1**	
2	**2**	**2**	**2**	
3	**3**	**3**	**3**	
4	**4**	**4**	**4**	
5	**5**	**5**	**5**	
6	**6**	**6**	**6**	
7	**7**	**7**	**7**	
8	**8**	**8**	**8**	
9	**9**	**9**	**9**	
10	**10**	**10**	**10**	

11	**11**	**11**	**11**	
12	**12**	**12**	**12**	
13	**13**	**13**	**13**	
14	**14**	**14**	**14**	
15	**15**	**15**	**15**	
16	**16**	**16**	**16**	
17	**17**	**17**	**17**	
18	**18**	**18**	**18**	
19	**19**	**19**	**19**	
20	**20**	**20**	**20**	

اردو حروف تہجی				
ا	ب	پ	ت	ٹ
ث	ج	چ	ح	خ
د	ڈ	ذ	ر	ڑ
ز	ژ	س	ش	ص
ض	ط	ظ	ع	غ
ف	ق	ک	گ	ل
م	ن	و	ہ	ء
ھ	ی	ے		

حرکات				
◌َ	آ	◌ُ	◌ْ	◌ِ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAON	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (45)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	ARABIC/ARBI	89	GUJARATI	98	LAHAULI	107	MUNDA	116	SANTALI (JHARKHAND)
81	BALTI	90	HINDI	99	LAHNDA	108	NICOBARESE	117	SINDHI
82	BENGALI	91	KANNADA	100	LAI (PAWI)	109	ODIA	118	TELUGU
83	BHILI/BHILODI	92	KASHMIRI	101	MAITHILI	110	PAITE	119	THADOU
84	BISHNUPURIYA (BISHNUPRIYA MANIPURI)	93	KHASI	102	MALAYALAM	111	PARJI	120	URDU
85	CHAKHESANG	94	KHOND/KONDH	103	MALTO	112	PHOM	121	VAIPHEI
86	CHOKRI	95	KOKBOROK (TRIPURI)	104	MARATHI	113	PUNJABI	122	ZELIANG
87	DOGRI	96	KONKANI	105	MARING	114	SANGTAM	123	ZEME (ZEMI)
88	GANGTE	97	KORWA	106	MONPA	115	SANSKRIT	124	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in